मूल्य 1 रु.
वर्षः 14 - अंक : 288, मुंबई, मंगलवार, 21 जनवरी, 2025 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®

अब हर सच होगा उजागर

DESI VILLAGE
RESTAURANT & CAFE
DUBAI

फर्जी साबित हुआ बदलापुर यौन शोषण मामले के आरोपी अक्षय शिंदे का एनकाउंटर

5 पुलिसकर्मियों को ठहराया जिम्मेदार

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। ठाणे जिले के बदलापुर स्कूल यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की एनकाउंटर में मौत के मामले में मजिस्ट्रेट ने जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। न्यायालय शिंदे के पिता अन्ना शिंदे की याचिका पर सुनवाई कर रहा है। अन्ना शिंदे ने अपनी याचिका में आरोप लगाया है कि उनके बेटे को पुलिस ने फर्जी मुठभेड़ में मार डाला। मजिस्ट्रेट ने सोमवार को सीलबंद लिफाफे में अपनी जांच रिपोर्ट बंबई उच्च न्यायालय को सौंपी। मजिस्ट्रेटी जांच में पांच पुलिसकर्मियों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया गया है। अब उनके खिलाफ मामला दर्ज करने का रास्ता साफ हो गया है। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने रिपोर्ट पर नजर डाली और कहा कि सरकार जांच के आधार पर मामला दर्ज करने के लिए बाध्य है। खंडपीठ ने जानना चाहा कि कौन सी जांच एजेंसी मामले की जांच करेगी। कोर्ट ने सरकारी वकील हितेन वेनेगांवकर से मामले की जांच कौन सी जांच एजेंसी करेगी यह बताने कहा है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

राष्ट्रपति बनते ही ट्रंप पर नई 'आफत'

दर्ज हुआ मुकदमा, मस्क की भी बढ़ी मुश्किलें!

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। मवार को डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली है। शपथ लेते ही उन्होंने ताबड़तोड़ कई फैसले भी लिए हैं और उसे तुरंत लागू करने की भी बात कही है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप को शपथ ग्रहण के कुछ ही समय बाद एक मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्पलॉइज (AFGE) और नॉन प्रॉफिट पब्लिक सिटिजन ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफीशिएंसी (DOGE) योजना के बारे में उनके खिलाफ मुकदमा दायर किया है। इस योजना का नेतृत्व एलन मस्क कर रहे हैं, और इसका उद्देश्य सरकारी खर्चों में कमी करना है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, मेरे प्रिय मित्र राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में आपके शपथ ग्रहण पर बधाई

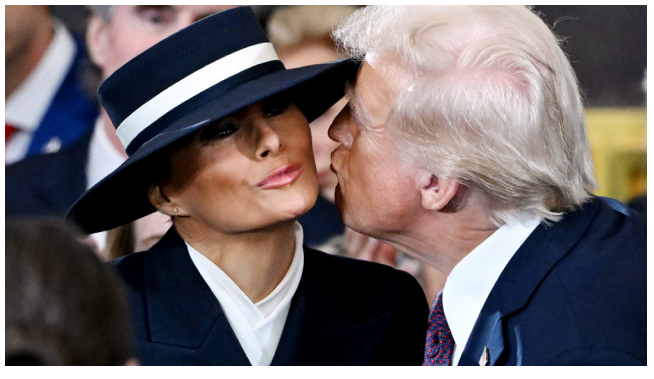

अमेरिका के नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, वाशिंगटन में अमेरिकी कैपिटल के रोटुंडा में राष्ट्रपति पद के उद्घाटन से पहले अपनी पत्नी मेलानिया ट्रम्प को चूमते हुए.

कर्मचारियों की नौकरी पर खतरा

वहीं, एलन मस्क को अब डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफीशिएंसी का जिम्मा सौंपा गया है। मस्क की योजनाओं को लेकर कुछ चिंताएं हैं, क्योंकि ये सरकारी कर्मचारियों की नौकरियों और उनके हितों पर असर डाल सकती हैं। AFGE ने इस पर आपत्ति जताई है और कहा है कि इस योजना के तहत कर्मचारियों की नौकरी पर खतरा हो सकता है।

अमेरिका का 'स्वर्ण युग'

शपथ ग्रहण के बाद अपने संबोधन में डोनाल्ड ट्रंप ने 20 जनवरी को 'लिबरेशन डे' बताया और कहा कि अमेरिका का 'स्वर्ण युग' शुरू हो गया है। ट्रंप ने अपने प्राथमिक एजेंडे 'अमेरिका प्रथम' पर जोर देते हुए कहा कि वे देश को सुरक्षित, किफायती और ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए साहसिक कदम उठाएंगे। उन्होंने बाइडन प्रशासन की नीतियों को बदलने और सीमा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कई कार्यकारी आदेशों की भी घोषणा की।

शिंदे को खत्म कर शिवसेना में होगा नया 'उदय'

पालकमंत्री को लेकर मचे घमासान पर संजय राउत ने बीजेपी पर कसा तंज

मुंबई हलचल/संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, विश्व आर्थिक मंच की दो दिवसीय बैठक के लिए दावोस के दौरे पर हैं। इसी बीच पालक मंत्री के पद को लेकर महाराष्ट्र में सियासी पारा चढ़ गया है। रायगढ़ और नासिक के पालक मंत्री पद को लेकर सत्तारूढ़ महायुति में घमासान मचा हुआ है। विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी में शामिल कांग्रेस के विधायक विजय वडेट्टीवार और शिवसेना (यूबीटी) पार्टी के सांसद व प्रवक्ता संजय राउत ने बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया है। वडेट्टीवार और राउत का आरोप है कि शिवसेना व एनसीपी को तोड़ने के बाद अब बीजेपी शिंदे की शिवसेना को तोड़ रही है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कांग्रेस पर भड़के राउत

इस दौरान संजय राउत ने कांग्रेस को भी नहीं छोड़ा। बीजेपी ने शिवसेना और उद्धव ठाकरे को खत्म कर दिया, ऐसे बयान के लिए वडेट्टीवार को आड़े हाथ लेते हुए राउत ने कहा कि शिवसेना और उद्धव ठाकरे कभी खत्म नहीं होंगे। बल्कि उद्धव के नेतृत्व में हम फिर से ऊंची उड़ान भरेंगे।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

पुलिस और आम लोग

क्या सैफ अली खान पर हमले की रहस्यमय परिस्थितियों के कारण आरंभ में पुलिसकर्मी घटना की गंभीरता का अंदाजा नहीं लगा पाए? जब जाहिर हुआ कि शिकार बना व्यक्ति मशहूर चेहरा है, संभवतः तब जाकर पुलिसकर्मी चौकस हुए। मगर यही मुद्दा है।

अभिनेता सैफ अली खान पर हुए हमले के मामले में आखिरकार पुलिस ने एक व्यक्ति को पकड़ने का एलान किया है। कैसे यूपीआई पेमेंट और आधुनिक तकनीक के जरिए की गई पड़ताल से उसके सूत्र पुलिस ने ढूंढे, इसकी रिपोर्ट मीडिया में विस्तार से दी गई है। लेकिन एक दिन पहले तक खुद पुलिस के उच्च पदस्थ अधिकारी इस कांड में मुंबई के बांद्रा थाने की पुलिस की आरंभिक लापरवाहियों की चर्चा कर रहे थे। उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा था कि घटना के बाद आरंभिक चार घंटों में बांद्रा पुलिस ने चुस्ती दिखाई होती, तो आरोपी को तुरंत ही पकड़ लिया गया होता। बांद्रा पुलिस ने ना तो गश्ती दलों को आगाह किया और ना ही पास-पड़ोस के थानों एलर्ट भेजा। उसी क्रम में अधिकारियों ने कहा कि पुलिस का ध्यान अब ज्यादातर साइबर अपराधों और वीआईपी सुरक्षा पर टिका रहता है। इसलिए सड़कों पर छिनतई, पॉकेटमारी या छोटी-मोटी हिंसा जैसे आम अपराध पर वह ध्यान नहीं दे पाती। सैफ मशहूर चेहरा हैं। मगर मुमकिन है कि शुरूआत में पुलिसकर्मी यह अंदाजा ना लगा पाए हों कि उन जैसी बड़ी शख्सियत चाकूबाजी जैसी साधारण घटना का शिकार होगा। वैसे भी सैफ हुए हमले की कई गुत्थियां अभी सुलझनी हैं। सचमुच जिस आसानी से अपराधी उनके घर तक पहुंच गया, वह कम रहस्यमय नहीं है। फिर ये बात भी गले नहीं उतरती कि गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद वे ऑटो रिक्शा से अपने नाबालिग बेटे के साथ अस्पताल गए। क्या इन रहस्यमय परिस्थितियों के कारण पुलिसकर्मी घटना की गंभीरता का अंदाजा नहीं लगा पाए? जब ये जाहिर हुआ कि शिकार बना व्यक्ति एक मशहूर चेहरा है, संभवतः तब जाकर पुलिसकर्मी चौकस हुए। मगर यही मुद्दा है। अगर घटना सैफ अली खान नहीं, किसी आम शख्स के साथ हुई होती, तो पुलिस उसे ह्लसाधारणह्व जुर्म मान कर रूटीन जांच के हवाले कर देती! अगर यह आज की हकीकत है, तो उसका मतलब यह होगा कि पुलिस जुर्म की गंभीरता शिकार बने व्यक्ति की हैसियत से समझने की सोच का शिकार होती जा रही है। यह आम लोगों के लिए खतरे की घंटी है।

पश्चिम एशिया में चैन के लम्हे!

आखिरकार वह दिन आ ही गया। वह दिन जब दुनिया राहत की सांस ले सकती है। हमास-इजराइल युद्ध विराम लागू हो गया है। हालांकि यह केवल कुछ समय के लिए है। इजराइल-हमास युद्ध के दौरान गाजा में हो रही मौतें और विनाश हमारे अखबारों की सुर्खियों में कभी नहीं रहा। मगर जब 90 फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले हमास ने तीन इजरायली बंधक इजराइल को सौंपे, तो पुनर्मिलन की उमंग और खुशियां मनाते लोगों के वीडियो और फोटो की बाढ़ सी आ गई। मगर जान लीजिए युद्ध खत्म नहीं हुआ है। युद्धविराम केवल घाव पर लगाई गई बैंडएड की पट्टी है जो कभी भी, किसी भी क्षण फट सकती है। युद्धविराम 19 जनवरी की सुबह से प्रारंभ होना निर्धारित था, लेकिन इसे करीब तीन घंटे आगे बढ़ा दिया गया क्योंकि हमास निर्धारित समय-सीमा में उसके द्वारा छोड़े जाने वाले बंधकों के नाम बताने में नाकामयाब रहा। इस बीच इजराइल के हवाई हमले तब तक जारी रहे जब तक हमास ने इन बंधकों के नाम जारी नहीं कर दिए। युद्धविराम के अगले चरण में इजराइल को पूरे गाजा से अपनी सेना हटानी है। इसमें वे गलियारे भी शामिल हैं जो गाजा को मिस्त्र और आसपास के बफर जोन से काटते हैं। इसमें सभी जीवित इजरायली बंधकों की रिहाई भी शामिल है। तीसरे चरण में शवों को लौटाया जाएगा और तबाह हुए गाजा का पुनर्निर्माण प्रारंभ होगा।

विश्लेषक और प्रेक्षक इस ओर ध्यान दिलाते हैं कि समझौते के खाके में तीन चरणों का प्रावधान है। इसे लागू करने

के लिए चर्चाओं और वार्ताओं के नए दौर की जरूरत होगी और जैसे-जैसे युद्धविराम आगे बढ़ेगा इसमें कई तरह की समस्याएं और बाधाएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसका मार्ग और कठिन होता जाएगा।

इस बीच दोनों पक्ष एक ऐसे युद्ध में अपनी-अपनी जीत का दावा कर रहे हैं जिसके बारे में कहा जा सकता है कि उसके समाप्त होने की संभावना बहुत कम है। हमास के उग्रवादी सुरंगों से बाहर निकलकर अपनी बंदूकें लेकर परेड कर रहे हैं ताकि गाजा मे रह रहे फिलिस्तीनियों, इजराइल और पूरी दुनिया तक यह संदेश साफ-साफ पहुंच जाए कि हमास के लड़ाकों, पुलिस अधिकारियों, राजनैतिक नेताओं और सरकारी अफसरों को बड़ी संख्या में खोने के बाद भी अगर गाजा में किसी की तूती बोलती है तो वह है हमास।

दूसरी ओर इजराइल के प्रधानमंत्री ने बड़बोलेपन का बेशर्म प्रदर्शन करते हुए कहाः हमने मध्यपूर्व का चेहरा बदल दिया है। पहले उन्होंने हमास पर पूर्ण विजय का अव्यवाहारिक वायदा किया था। लेकिन यह नहीं हो सका। गाजा में हमास यद्यपि पहले से बहुत कमजोर हो गया है, लेकिन उसका अस्तित्व अभी भी कायम है। हमास इजरायली हमलों में अपने लगभग पूरे शीर्ष नेतृत्व को खो चुका है, लेकिन युवा कमांडरों की एक नई पीढ़ी सामने आ चुकी है और उन्हें चुनौती देने वाला कोई नहीं है। इजराइल के विदेशमंत्री गिदोन सार ने स्पष्ट किया है कि हमास का राज इजराइल की सुरक्षा के लिए खतरनाक था और इजराइल ऐसे किसी स्थायी युद्धविराम के लिए राजी नहीं हुआ है जिसके चलते हमास की सत्ता कायम रहे। वित्तमंत्री और अति-दक्षिणपंथी धार्मिक यहूदीवादी पार्टी के नेता बेजेल स्मोट्रिच, जो युद्धविराम समझौते के विरोधी थे, ने कहा कि नेतन्याहू ने उन्हें गारंटी दी है कि युद्धविराम का पहला चरण समाप्त होने के बाद इजराइल युद्ध जारी रखेगा।

यही वजह है कि समझौते की जानकारी देते हुए अपने भाषण में नेतन्याहू ने यह नहीं कहा कि युद्ध समाप्त हो गया है। बल्कि यह कहा कि यदि हमें दुबारा लड़ाई छेड़नी पड़ी तो हम ऐसा नए तरीकों से और पहले से ज्यादा ताकत से करेंगे। कुछ विश्लेषकों का कहना है कि इजराइल अंततः हमास को सत्ता से हटा सकता है, वहीं अन्यों का कहना है कि अंतर्राष्ट्रीय दबाव के चलते इजराइल के लिए दुबारा युद्ध छेड़ना बहुत मुश्किल होगा। और यदि वह ऐसा करता भी है, तो इन विश्लेषकों के अनुसार गाजा पर पूरा कब्जा कायम किए बिना इजराइली सुरक्षा बलों के लिए हमास को जड़ से उखाड़ना बहुत चुनौतीपूर्ण होगा।

जैसा कि चैटम हाउस के सनम वकील ने लिखा है इस बात पर जोर देना बहुत महत्वपूर्ण है कि यह एक समझौता, एक नाजुक सा युद्धविराम है। यह संघर्ष विराम नहीं है।

फिलिस्तीनी पक्ष की ओर नजर डालें तो नकाबपोश हथियारबंद लोगों के नजर आने से यह नया डर पैदा हो गया है कि आंतकी धड़ों द्वारा हिंसा भड़काई जा सकती है और उन्हें लोगों का पूरा-पूरा समर्थन हासिल हो सकता है। लोग उन पर हुए भयावह जुल्मों का इंतकाम लेना चाहते हैं। इस समय तो युद्धविराम मात्र एक चैन की सांस लेने के लम्हे जैसा लगा रहा है। कल जब ट्रंप सत्ता संभाल चुके होंगे, तब हालात बदल सकते हैं। क्या युद्धविराम कायम रहेगा या अपने विरोधाभासों के बोझ तले अंततः टूट जाएगा?

ट्रंप काल में भारत

अमेरिका के नए राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप चीन के प्रति नरम रुख अपनाते हैं, तो भारत-अमेरिका संबंध प्रभावित हुए बिना नहीं रहेंगे। टैरिफ बढ़ाने की राह पर ट्रंप बढ़ते हैं, तो भारत के कृषि क्षेत्र के लिए नई चुनौतियां पैदा होंगी।

डॉनल्ड ट्रंप की ताजपोशी के साथ अमेरिका की विदेश नीति को लेकर दुनिया भर में अनिश्चय और अंदेशे गहराए हैं। ऐसा माहौल ज्यादातर अमेरिका के सहयोगी देशों में बना है। क्योंकि आरंभिक तौर पर ट्रंप ने सहयोगी और पड़ोसी देशों के खिलाफ ही मोर्चा खोला है। जबकि जहां उनसे सख्त रुख की अपेक्षा रही है, वहां उन्होंने अप्रत्याशित नजरिया अपनाया है। मसलन, ट्रंप इजराइल का घोर समर्थक माने जाते हैं, मगर ह्वाइट

हाउस में प्रवेश से पहले ही उनके दबाव में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को हमास के साथ युद्धविराम करने पर मजबूर होना पड़ा।

उधर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को ट्रंप ने खुद फोन किया। बातचीत के बाद सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा कि शी के साथ मिल कर वे दुनिया में शांति लाने के लिए काम करेंगे। उधर कनाडा जैसे खास दोस्त को उन्होंने आहत और मेक्सिको जैसे निकट पड़ोसी को आशंकित कर रखा है। नाटो के सदस्य डेनमार्क के इलाके ग्रीनलैंड को हड़पने का इरादा उन्होंने जताया है। यूरोपीय सहयोगियों को धमकाया है कि उन्होंने अपने जीडीपी का पांच प्रतिशत हिस्सा सेना पर खर्च ना किया, तो अमेरिका उनकी सुरक्षा नहीं करेगा। और भारत को चेताया है कि उसने अमेरिकी उत्पादों पर शुल्क नहीं घटाया, तो उसी अनुपात में भारतीय उत्पादों पर वे भी कस्टम ड्यूटी लगाएंगे।

गौरतलब है कि चीन से अमेरिका की तीखी होती प्रतिस्पर्धा का अमेरिकी रणनीति में भारत का महत्त्व बढ़ने से सीधा संबंध है। ट्रंप चीन के प्रति नरम रुख अपनाते हैं, तो उससे भारत-अमेरिका संबंध प्रभावित हुए बिना नहीं रहेंगे। टैरिफ बढ़ाने की राह पर ट्रंप बढ़ते हैं, तो भारत के कृषि क्षेत्र के लिए नई चुनौतियां पैदा होंगी। ट्रंप प्रशासन भारत पर अमेरिकी कपास, दुग्ध उत्पादों, इथेनॉल, ताजा फल, ड्राइ फ्रूट, वन उत्पादों, खाद्य एवं पेय पदार्थों, और दालों के लिए बाजार खोलने के लिए दबाव डाल सकता है। इन चचाओं से भारतीय नीतिकारों का आशंकित होना लाजिमी है। फिलहाल, उम्मीद की गुंजाइश सिर्फ यह है कि ट्रंप अस्थिर एवं अनिश्चित दिमाग के व्यक्ति हैं। इसलिए मुमकिन है कि कुछ महीनों के बाद उनका वो रूप उभरे, जो भारत के अधिक अनुकूल हो।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोनः**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादकः **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

चिल्ड्रन वेलफेयर इंग्लिश हाई स्कूल एंन्ड जुनियर कॉलेज का 2 दूसरा सालाना एन्युअल डे फंक्शन हुआ संपन्न

मुंबई हलचल/शोएब म्यानुंर

पालघर। पालघर जिले के वसई तालुका के चिंचोटी नाका गोरात पाडा में आयशा एड्युकेशन ट्रस्ट द्वारा संचालित चिल्ड्रन वेलफेयर इंग्लिश हाई स्कूल एंन्ड जुनियर कॉलेज का 2 दुसरा सालाना एन्युअल डे फंक्शन हुआ। जिसमें स्कूल के बच्चों ने अलग अलग गानों पर डांस परफॉर्मेंस किया और वहां मौजूद लोगों का दिल जीता, और बच्चों अपने परफॉर्मेंस में लोगों को तंबाकू, सिगरेट, ड्रग्स जैसे नशीले पदार्थ से दुर रहेने का संदेश दिया। और शांति (शांतता) पर भी बोहत ही बढ़िया स्किट प्रदर्शन किया वहीं बच्चों के साथ साथ स्कुल के टिचर्स ने भी डांस में पार्टीसिपेट किया और वहां मौजूद लोगों का मनोरंजन किया। चिल्ड्रन वेलफेयर इंग्लिश हाई स्कूल एंन्ड जुनियर कॉलेज के चेयरमैन सामरान कमाल मिर्जा बैग,

प्रिंसिपल आफरीन सामरान मिर्जा बैग, दिवंगत फाउंडर संस्थापक कमाल इकराम मिर्जा बेग का परिवार, ट्रस्टी कौसर इकबाल शेख, स्कुल टीचर्स, बच्चों के पेरेंट्स मौजूद रहे।

साथ में इस मौके पर मुख्य महेमानों में चिफ गेस्ट के तौर पर आकोला से सुप्रिटेंडेंट जैलर दिलीप सिंह गिराशे, मेस्को ट्रस्ट के प्रेसिडेंट और प्रोफेसर फरहान मकबा, एएफएमआई (अमेरिकन फेडरेशन ऑफ इंडियन ओरिजिन) के प्रेसिडेंट अली कुरेशी अपनी टीम के साथ मौजूद रहे। मीरा भयंदर के सोश्यल एक्टिविस्ट हाशिर तात्या पटेल, एडवोकेट दिनेश म्हात्रे, के पी भाउ और टाईगर ग्रुप, रिजेस होटल त्रिवेन्द्रम के मेनेजिंग डायरेक्टर बशीर कुट्टी, अली मर्चेंट, एक्टर मोडल खुर्रम मल्लिक, इर्शाद खान, गणेश जयसवाल, नाशीक सोश्यल एक्टिविस्ट अजहर सय्यद, अजय रावत, के साथ साथ कई नामी गिरामी सख्सियात मौजूद रहे। चिल्ड्रन वेलफेयर इंग्लिश हाई स्कूल एंन्ड जुनियर कॉलेज की तरफ से आए हुए सभी महेमानों को ट्रोफी और गुलदस्ता देकर और शोल पहेनाकर शानदार सम्मान किया गया। चिल्ड्रन वेलफेयर इंग्लिश हाई स्कूल एंन्ड जुनियर कॉलेज की तरफ से आए हुए सभी महेमानों के हाथों से स्कुल के बच्चों का भी सर्टिफिकेट और गोल्ड मेडल देकर शानदार सम्मान किया गया। अंत में चिल्ड्रन वेलफेयर इंग्लिश हाई स्कूल एंन्ड जुनियर कॉलेज की तरफ से आए हुए सभी महेमानों का आभार व्यक्त किया गया। और प्रोग्राम को पाए तकमील तक पहुंचाया गया।

रविन समूहने अजय देवगन को विश्व पर्यावरण दिवस अभियान का चेहरा घोषित किया

मुंबई। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते व्यवसायिक समूहों में से एक और भारत में स्थिरता और हरित पहलकदमियों के मामले में अग्रणी, रविन समूह ने अपनी 75वीं वर्षगांठ एक प्रेरणादायक और रंगीन शाम के साथ मनाई। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के नेताओं, नीति-निर्माताओं, बॉलीवुड हस्तियों और व्यापारिक दिग्गजों को एक साथ लाया गया। 'दुनिया को एक स्थिर भारत की ओर ले जाना' थीम पर आधारित इस कार्यक्रम ने रविन समूह की पर्यावरणीय स्थिरता, नवाचार और विश्वसनीयता के प्रति प्रतिबद्धता को उजागर किया। साथ ही, इसने भारत के बुनियादी ढांचे को आकार देने में कंपनी की विरासत और एक हरे-भरे भविष्य के निर्माण के लिए समर्पण को भी स्वीकार किया। मुंबई के जियो

कन्वेंशन सेंटर में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में, श्री अजय देवगन को 2025 के विश्व पर्यावरण दिवस अभियान के ब्रांड एंबेसडर के रूप में प्रस्तुत किया गया। उन्होंने समूह के अभियान का पोस्टर जारी किया, जिसमें रविन समूह और भामला फाउंडेशन के बीच साझेदारी को प्रमुखता से दशार्या गया। यह पहल प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने, स्थिरता को बढ़ावा देने, पर्यावरणीय जागरूकता बढ़ाने और भारत की वैश्विक मंच पर मजबूत उपस्थिति को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। बॉलीवुड अभिनेता और व्यवसायी श्री विवेक ओबेरॉय विशेष रूप से दुबई से इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आए और पूज्य श्री ब्रह्मविहारी स्वामी का परिचय कराया, जो बीएपीएस स्वामिनारायण संप्रदाय के अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के प्रमुख और अबूधाबी में मंदिर के निर्माण के पीछे के दूरदृष्टा रहे हैं। इस अवसर पर रविन समूह के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री विजय करिया ने कहा, रविन समूह में हम गर्व महसूस करते हैं कि हम भारत की विकास यात्रा का हिस्सा हैं, जहां स्थिरता, विश्वसनीयता और नवाचार हमारे हर कार्य के मूल में हैं। हम इस यात्रा को आगे बढ़ाने और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के लिए वैश्विक प्रयासों में योगदान देने के लिए उत्साहित हैं, साथ ही भारत की आर्थिक प्रगति को भी बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। श्री अजय देवगन ने इस पहल के प्रति अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, एक हरे-भरे कल के लिए ध्वजवाहक बनना मेरे लिए अत्यधिक सम्मान की बात है। मैं इस अवसर के लिए आभारी हूं। छोटे बदलाव बड़ा फर्क डाल सकते हैं, और मैं इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने को प्रतिबद्ध हूं।

ठगी करने वाले प्रेमी गिरोह का भंडाफोड़

ठाणे। ठाणे पुलिस ने साइबर धोखाधड़ी के एक मामले की जांच करते हुए उत्तर प्रदेश में अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़ किया। ठाणे पुलिस एक महिला द्वारा दर्ज साइबर ठगी के मामले की जांच कर रही थी। इस दौरान जांच का दायरा बढ़ता गया और उत्तर प्रदेश में चल रहे अवैध कॉल सेंटर तक पहुंच गया। ठाणे पुलिस ने उत्तर प्रदेश में अवैध कॉल सेंटर का भंडाफोड़ करते हुए लखनऊ-बाराबंकी राजमार्ग पर कार का पीछा करने के बाद मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने संदिग्ध के पास से 9 लैपटॉप, राउटर और मोबाइल फोन बरामद किए। संदिग्ध को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया गया। जहां से उसे 22 जनवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। जोन-प्रथम के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सुभाष बरसे ने बताया कि ठाणे जिले की मुंब्रा निवासी एक महिला ने पिछले साल अक्टूबर में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। शिकायत में कहा गया था कि एक व्यक्ति ने शादी से संबंधित वेबसाइट के जरिए उससे 13.54 लाख रुपये ठग लिए।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

राष्ट्रपति बनते ही ट्रंप पर नई आफत

मवार को डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली है। शपथ लेते ही उन्होंने ताबड़तोड़ कई फैसले भी लिए हैं और उसे तुरंत लागू करने की भी बात कही है। वहीं डोनाल्ड ट्रंप को शपथ ग्रहण के कुछ ही समय बाद एक मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। अमेरिकन फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट एम्पलॉइज (AFGE) और नॉन प्रॉफिट पब्लिक सिटिजन ने डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफीशिएंसी (DOGE) योजना के बारे में उनके खिलाफ मुकदमा दायर किया है। इस योजना का नेतृत्व एलन मस्क कर रहे हैं, और इसका उद्देश्य सरकारी खर्चों में कमी करना है। बता दें कि ट्रंप प्रशासन ने DOGE योजना का प्रस्ताव किया है, जिसका मकसद सरकारी खर्चों में 2 ट्रिलियन डॉलर की कटौती करना है। इस योजना के कारण सरकारी कर्मचारियों में नौकरी जाने का डर बढ़ गया है। AFGE (अमेरिकन फेडरल कर्मचारी संघ) का कहना है कि DOGE योजना संघीय नियमों का पालन नहीं कर रही है। इसीलिए, AFGE ने कोर्ट से अपील की है कि DOGE को सलाहकार समिति की तरह काम करने से रोका जाए, जब तक वह जरूरी नियमों का पालन नहीं करती।

फर्जी साबित हुआ बदलापुर यौन शोषण मामले के आरोपी अक्षय शिंदे का एनकाउंटर

बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि मजिस्ट्रेट ने जांच कर अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। रिपोर्ट में मजिस्ट्रेट इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि आरोपी अक्षय शिंदे की मौत के लिए 5 पुलिसकर्मी जिम्मेदार हैं। इसमें ठाणे क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ पुलिस इंस्पेक्टर संजय शिंदे, सहायक पुलिस निरीक्षक नीलेश मोरे, मुख्य आरक्षी अभिजीत मोरे और हरीश तावड़े तथा एक पुलिस चालक शामिल है। मामले की सुनवाई कर रही खंडपीठ ने कहा कि कानूनन पांचों पुलिसकर्मियों के खिलाफ की जानी चाहिए और जांच की जानी चाहिए। अदालत ने कहा कि इस मजिस्ट्रेट रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार प्राथमिकी दर्ज करने के लिए बाध्य हैं। हमें बताएं कि कौन सी एजेंसी मामले की जांच करेगी। मजिस्ट्रेट ने रिपोर्ट में कहा कि गाड़ी में आरोपी अक्षय शिंदे के साथ मौजूद 4 पुलिसकर्मी स्थिति को संभालने की स्थिति में थे। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या पुलिस अधिकारियों द्वारा किया गया बल प्रयोग उचित था। साथ ही रिपोर्ट में अपराध विज्ञान विज्ञान प्रयोगशाला के निष्कर्षों पर ध्यान दिया गया। इसमें कहा गया था कि पुलिन ने दावा किया था कि अक्षय शिंदे ने कांस्टेबल से पिस्तौल छीनकर उससे गोली चलाई थी लेकिन उस पिस्तौल पर अक्षय के कोई फिंगरप्रिंट नहीं थे। कोर्ट ने कहा कि जहां तक एफएसएल रिपोर्ट के अनुसार मृतक के माता-पिता द्वारा लगाए गए आरोप कि उनके बेटे को पुलिस ने फर्जी मुठभेड़ में मार डाला, सत्य पाए गए हैं।

शिंदे को खत्म कर शिवसेना में होगा नया 'उदय'

रायगढ़ का पालक मंत्री पद अजित पवार की एनसीपी की मंत्री अदिति तटकरे को दिए जाने से शिवसेना (शिंदे गुट) के मंत्री भरत गोगावले और नासिक का पालकमंत्री पद नहीं मिलने से मंत्री दादा भुसे नाराज हैं। गोगावले समर्थकों ने मुंबई-गोवा हाईवे पर चक्का जाम करके आगजनी भी की थी। दूसरी तरफ इन तमाम घटनाक्रमों के बीच खुद उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सातारा स्थित अपने मूल गांव दरे पहुंच गए हैं। इस वजह से शिंदे के भी नाराज होने की चर्चा जोरों पर चल रही है। सत्तारूढ़ महायुति के घटक दलों के नेता खुल कर अपनी नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं और विपक्ष उसमें तड़का लगाने का काम कर रहा है। इस वजह से राजनीतिक बयानबाजी तेज होती जा रही है। सोमवार को कांग्रेसी नेता वडेट्टीवार ने कहा कि महायुति में नाराजगी के ड्रामे का अंत ही नहीं हो रहा है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे नाराज होकर अपने गांव चले गए हैं। वे पालकमंत्री पद के बहाने अपने पाले में कुछ और हासिल करने की कोशिशों में लगे हैं लेकिन महायुति में शिंदे की उपयोगिता समाप्त हो गई है। इसलिए शिवसेना में विभाजन की तर्ज पर अब शिंदे गुट से नया उदय सामने आ सकता है। तो वहीं संजय राउत ने इसमें और मसाला जोड़ते हुए दावा किया है कि सीएम पद के शपथ ग्रहण से पहले ही शिंदे की शिवसेना टूटने वाली थी। उनकी पार्टी के नेता व मंत्री उदय सामंत बीजेपी के संपर्क में हैं। उन्हें 20 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। सीएम पद के लिए शिंदे के अड़ने के बाद बीजेपी ने सामंत की मदद से शपथ ग्रहण की तैयारी कर ली थी। ऐसा कहते हुए संजय राउत ने सवाल किया कि खुद कांग्रेस आज कहां है? बालासाहेब ठाकरे को खत्म करने की कोशिश कांग्रेस के दौर में भी की गई और अब उद्धव के खत्म होने की बात कांग्रेस के लोग कर रहे हैं। लेकिन शिवसेना खत्म नहीं होगी। हम सभी पर भारी पड़ेंगे। लेकिन दूसरों को खत्म करके खुद को बड़ा बनाने की नीति अपनाने वाली बीजेपी, पीएम मोदी और अमित शाह किसी को छोड़ेंगे नहीं। एकनाथ शिंदे का भविष्य भी वही होगा।

खबर संक्षेप

कोटा में आत्महत्या के लिए प्रेम संबंध जिम्मेदार

जयपुर। राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने हाल ही में कोटा में छात्रों की आत्महत्या की बढ़ती

घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। कोचिंग हब कोटा जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रसिद्ध है। इस दुखद प्रवृत्ति के पीछे मंत्री दिलावर ने प्रेम संबंधों और अत्यधिक शैक्षणिक दबाव को एक प्रमुख कारण बताया है।

निशानेबाज मनु की नानी और मामा की मौत

महेंद्रगढ़। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज मनु भाकर की नानी और बड़े मामा

की एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। महेंद्रगढ़ बाइपास रोड पर स्कूटी और ब्रेजा गाड़ी की टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मौके पर ही मनु भाकर के मामा और नानी की मौत हो गई। दुर्घटना के बाद गाड़ी चालक मौके से फरार हो गया।

सड़क हादसे में 4 की मौत और चार घायल

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर के पास शनिवार रात एक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और

चार अन्य घायल हो गए। बारात में शामिल एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा एक पशु के अचानक वाहन के सामने आने के कारण हुआ। कार में सवार बाराती छोटा गांव से लूणकरणसर के पेमासर गांव जा रहे थे।

टीडीबी सबरीमला में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करेगा

सबरीमला। त्रावणकोर देवस्व ओम बोर्ड (टीडीबी) 'कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड' के

तकनीकी सहयोग से एक सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करेगा। टीडीबी अधिकारियों के अनुसार बोर्ड प्रतिवर्ष बिजली बिलों पर लगभग 15 करोड़ रुपये खर्च करता है और प्रस्तावित सौर संयंत्र से इस खर्च में काफी कमी आने की उम्मीद है।

आंध्र प्रदेश में गरजे केंद्रीय गृहमंत्री शाह, केंद्र देता रहेगा भरपूर मदद

महाराष्ट्र और हरियाणा की तरह दिल्ली में भी बनेगी एनडीए की बहुमत वाली सरकार

किसी भी आपदा से निपटने एनडीआरएफ हर समय आपके साथ खड़ी रहेगी

केंद्र नायडू सरकार के साथ चट्टान की तरह खड़ा

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को आंध्र प्रदेश के गन्नावरम मंडल के कोंडा पावुलुरू में 10वीं बटालियन एनडीआरएफ परिसर और एनआईडीएम दक्षिणी परिसर का उद्घाटन किया। इस दौरान आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जब कोई आपदा भगवान द्वारा भेजी जाती है, तो एनडीआरएफ मदद के लिए आती है। जब कोई आपदा मानव निर्मित होती है तो एनडीए मदद के लिए आती है। महाराष्ट्र और हरियाणा में भारी जीत के बाद एनडीए 2025 में दिल्ली में सरकार बनाएगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 2014 से 2019 के बीच संभावनाओं से भरा राज्य आंध्र प्रदेश मानव निर्मित आपदा के कारण पीड़ित रहा। अब आपको उन बर्बाद हुए पांच वर्षों के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। पीएम मोदी और सीएम नायडू की जोड़ी यहां विकास की रफ्तार को तीन गुना तेज करेगी। नरेंद्र मोदी सरकार आंध्र प्रदेश के विकास के लिए चंद्रबाबू नायडू के साथ चट्टान की तरह खड़ी है।

सीएम नायडू ने निरंतन सहायता की आपील की

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने केंद्रीय मंत्री से अपील की कि वे राज्य के पूरी तरह से ठीक होने तक केंद्र से निरंतर सहायता सुनिश्चित करें। इस अवसर पर आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण, केंद्रीय मंत्री के राम मोहन नायडू और बंडी संजय कुमार मौजूद रहे।

मोदी सरकार ने 3 लाख करोड़ के प्रोजेक्ट को मंजूरी दी

शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने छह महीने में आंध्र प्रदेश के लिए तीन लाख करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं को मंजूरी दी है। हुडको, विश्व बैंक के माध्यम से राजधानी अमरावती के विकास के लिए 27,000 करोड़ रुपए दिए गए हैं। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कहा कि केंद्र आंध्र प्रदेश के विकास के लिए चट्टान की तरह चंद्रबाबू नायडू के साथ खड़ा है।

क्षेत्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भवन का लोकार्पण किया

इसके साथ ही गृहमंत्री अमित शाह आंध्र प्रदेश के तिरुपति में राज्य सरकार के क्षेत्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला भवन का उद्घाटन भी किया। यह नई सुविधा राज्य में फॉरेंसिक जांच को मजबूत बनाएगी। एनडीआरएफ की 10वीं बटालियन ने अब तक 800 से अधिक आपदा प्रबंधन अभियानों में हिस्सा लिया है, जिसमें 15,000 से अधिक लोगों की जान बचाई गई है और 1 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं एनआईडीएम का दक्षिणी परिसर, जो आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम 2014 के तहत बनाया गया था मई 2023 से कार्यरत है। इसने अब तक 44 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए हैं जिसमें 2,130 से अधिक लोगों को आपदा प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया गया है।

मोदी के नेतृत्व में भारत जीरो कैजुअल्टी के लक्ष्य पर कायम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत जीरो कैजुअल्टी के लक्ष्य पर काम रहा है जो कि आपदाओं के दौरान जान-माल के नुकसान को पूरी तरह से रोकने पर केंद्रित है। एनआईडीएम और एनडीआरएफ इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। एनआईडीएम प्रशिक्षण, शोध और नीति निर्माण में काम करता है, जबकि एनडीआरएफ आपदा के समय राहत और बचाव कार्यों में सबसे आगे रहता है।

'इंटीग्रेटेड इनडोर शूटिंग रेंज' की आधारशिला रखी

इसके अलावा शाह हैदराबाद में सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में 27 करोड़ की लागत की एक अत्याधुनिक 'इंटीग्रेटेड इनडोर शूटिंग रेंज' की आधारशिला भी रखी। यह 50 मीटर लंबी रेंज होगी, जिसमें 10 लेन होंगी जहां एक साथ 10 लोग फायरिंग का अभ्यास कर सकेंगे। यह स्वचालित होगी और इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर की तकनीक का उपयोग किया जाएगा।

खुद संभालेंगे चुनावी कमान

गणतंत्र दिवस के बाद दिल्ली में डोर टू डोर कैंपेन करेंगे राहुल

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

दिल्ली चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी बड़ी बड़ी रैलियों की बजाए डोर टू दूर कैंपेन को ज्यादा महत्व दे रही है। शीर्ष नेतृत्व की ओर से सभी प्रत्याशियों को अपने अपने चुनाव क्षेत्र में घर घर जा कर वोटरों से मिलने का निर्देश दिया है। निर्देश नीचे तक जाए इसके लिए गणतंत्र दिवस के बाद खुद राहुल गांधी घर घर कांग्रेस के लिए वोट मांगते नजर आयेंगे। कांग्रेस वॉर रूम में राहुल गांधी की पैदल यात्रा को रविवार छुट्टी वाले दिन अंतिम रूप दिया गया। भारत जोड़ो यात्रा के तौर पर वोटर जोड़ो यात्रा को एक बड़ी चुनावी मुहिम में तब्दील करने की कोशिश होगी। ये बात सच है कि भाजपा और आम आदमी की दमखम वाली ताबड़तोड़ कैंपेनिंग के आगे कांग्रेस का कैंपेन कहीं नहीं दिख रहा। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा के स्वयं दिल्ली चुनाव की कैंपेन संभाली हुई है। दोनों दलों के शीर्ष नेताओं के बीच चल रहे राजनीतिक संवाद ही हर दिन मीडिया की हेडलाइन बन रहे हैं। जबकि कांग्रेस पार्टी की ओर से अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी की एक रैली के बाद कांग्रेस प्रत्याशियों को उनके भरोसे छोड़ दिया गया है।

दीक्षित अपने दम पर ताल ठोंक रहें

दिल्ली की सीएम रहीं शीला दीक्षित के पुत्र पूर्व सांसद संदीप दीक्षित अपने दम पर अपनी टीम के साथ अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मैदान में खंभ ठोंक रहे हैं। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव बादली से अपनी बदौलत फील्डिंग सजाई है। ऐसी 18 दमदार सीटों पर जहां कांग्रेस अच्छा कर सकती है राहुल गांधी सभी सीटों पर पैदल यात्रा करेंगे। प्रियंका गांधी वाड्रा भी कुछ सीटों पर राहुल गांधी और साथ रहेंगी। दरअसल केजरीवाल के खिलाफ आक्रामक तरीके से वोट मांगने के फैसले के बाद हर तरह का संशय दूर किया गया। इंडिया गठबंधन में बतौर साथी दल होते हुए आम आदमी पार्टी के खिलाफ कितना, किस हद तक बोलना है, कठघरे में खडा करना है साफ कर दिया गया है कि खिलाफ मैदान में हैं तो खिलाफत करनी है। इसका असर दिल्ली के वरिष्ठ नेता, राज्यसभा सांसद अजय माकन के प्रेस कांफ्रेंस से और राहुल गाँधी के पटना में दिये गए वक्तव्यों से साफ हो गया।

राज्यों के नेता भी रहेंगे साथ

राहुल के साथ राजस्थान के वरिष्ठ नेता, छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलेट, हरियाणा मूल के वोटरों को रिझाने कुमारी सेलजा, दीपेंद्र हुड्डा, रणदीप सिंह सुरजेवाला जैसे नेता होंगे, वहीं बिहार, यूपी के वोटरों पर अपील रखने वाले कन्हैया कुमार, अखिलेश प्रसाद सिंह, रंजीत रंजन सहित 6 नेताओं को फीडबैक भेजा गया है। झुग्गी झोपड़ी के वोटरों से मिलने, रिझाने के लिए अलग से योजना बनाई गई है। दिल्ली में 2013 से सिरे से गायब कांग्रेस पार्टी के लिए खोने के लिए कुछ नहीं है, पाने के लिए बहुत कुछ है, इसी फॉर्मूले के साथ नेताओं को चुनाव में पूरी तरह भिड़ जाने का मंत्र दिया जा रहा है।

राहुल के 'इंडियन स्टेट' वाले बयान पर बवाल

अब असम के पान बाजार में गैर जमानती धाराओं में एफआईआर

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ असम के गुवाहाटी के पान बाजार पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। यह मामला उनके हालिया बयान को लेकर है, जिसमें उन्होंने विधानसभा चुनावों का हवाला देते हुए चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर सवाल खड़े किए थे और कहा था कि उनकी लड़ाई सिर्फ भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से नहीं, बल्कि इंडियन स्टेट से भी है।

15 जनवरी को दिया था बयान

राहुल ने यह बयान 15 जनवरी को दिल्ली के कोटला रोड पर कांग्रेस पार्टी के नए मुख्यालय के उद्घाटन समारोह के दौरान दिया था, जिस पर मोनजीत चेतिया ने गुवाहाटी के पान बाजार पुलिस स्टेशन में राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। यह एफआईआर भारतीय दंड संहिता की धारा 152 और 197(1)डी के तहत दर्ज की गई है।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा-राहुल बिना संदर्भ जाने भाषणों को पढ़ते हैं

राहुल को नहीं पता राजीव और इंदिरा ने संविधान के साथ क्या-क्या किया: नड्डा

- 'इंडियन स्टेट' के खिलाफ लड़ाई के बयान पर राहुल को लिया आड़े हाथ

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को अहमदाबाद में दावा किया कि कांग्रेस ने 65 वर्षों तक देश पर शासन किया और उसके नेताओं ने संविधान के साथ छेड़छाड़ कर इसके बुनियादी प्रावधानों को नष्ट करने की कोशिश की। वे भाजपा के 'संविधान गौरव अभियान' में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है और वह नहीं जानते कि उनके पिता (राजीव), दादी (इंदिरा) और दादी के पिता (नेहरू) ने संविधान के साथ छेड़छाड़ करने के क्या-क्या प्रयास किए थे? नड्डा ने कहा कि कांग्रेस नेता 'बुरे' थे, लेकिन भाजपा के नेता 'अच्छे' हैं जिन्होंने अनुच्छेद 370 को खत्म (जम्मू-कश्मीर में) करने जैसे कदम उठाए, 'एक देश एक कर' लागू किया और समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'

हाल में, मोदी सरकार, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ एक टिप्पणी में 'इंडियन स्टेट' शब्द का इस्तेमाल करने को लेकर राहुल पर उन्होंने प्रहार किया। नड्डा ने कहा, आज हमारे कांग्रेस नेता कहते हैं कि वे इंडियन स्टेट के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्हें इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है, न ही उनका इससे कोई लेना-देना है। उन्होंने कहा कि राहुल उन्हें सौंपे गए भाषणों की सामग्री और संदर्भ को समझे बिना उन्हें 'सिर्फ पढ़ते' हैं। राहुल ने हाल ही में कहा था, भाजपा और आरएसएस ने इस देश की हर एक संस्था पर कब्जा कर लिया है और अब हम भाजपा, आरएसएस और इंडियन स्टेट से लड़ रहे हैं। नड्डा ने कहा, इंदिरा गांधी लुभावने नारे देकर देश को गुमराह करना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने संविधान में पंथनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द जोड़े।' नड्डा ने कहा कि संविधान 'अच्छे लोगों' के तहत कैसे काम करता है, इसे इस बात से देखा जा सकता है कि किस तरह से 'एक राष्ट्र, एक कर' लागू किया गया है, किस तरह देश समान नागरिक संहिता की ओर बढ़ रहा है, कैसे अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। नड्डा ने कहा, भारत अपना 76 वां गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में हमें याद रखना चाहिए कि किसने संविधान के साथ छेड़छाड़ की और इसके बुनियादी प्रावधानों को नष्ट करने की कोशिश की। यह भी याद रखें कि किसने संविधान की रक्षा की और किसने बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों की रक्षा करने के साथ उन्हें रेखांकित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि नागरिकों को उन पाखंडी लोगों से सचेत और सावधान रहना चाहिए जो संविधान को पढ़े बिना इसकी प्रति लेकर घूमा करते हैं।

राजधानी में आयोजित एनसीसी के गणतंत्र दिवस शिविर में युवा कैडेटों को संबोधित करते हुए बोले रक्षा मंत्री

एनसीसी कैडेट देश के संसाधन, विकसित भारत के सपने को साकार करना चाहिए: राजनाथ सिंह

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को राजधानी में आयोजित राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के गणतंत्र दिवस शिविर का दौरा किया। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने युवा कैडेटों को देश का संसाधन बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक भारत को विकसित बनाने के सपने को साकार करने के लिए कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। साथ ही कहा कि विकसित भारत का अर्थ किसी जमीन के टुकड़े का विकास नहीं है। इसका संबंध 140 करोड़ भारतीयों की प्रगति से जुड़ा हुआ है। जो सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता के बावजूद एक साथ रहते हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में रक्षा मंत्री ने तीनों सशस्त्र सेनाओं के कैडेटों द्वारा दिए गए गार्ड ऑफ आनर का निरीक्षण किया, आइजोल के मिजो हाई स्कूल के कैडेटों के असाधारण बैंड प्रदर्शन के साथ ही ध्वज क्षेत्र और आइडिया एंड इनोवेशन नामक प्रदर्शनी का भी रक्षा मंत्री ने लिया। राजनाथ ने अपने भाषण में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की प्रसिद्ध कविता छोटे मन से कोई बड़ा नहीं होता, आधे मन से कोई खड़ा नहीं होता का हवाला देते हुए कैडेटों को हमेशा विनम्र और आशावादी बने रहने के लिए प्रेरित किया।

मप्र. और छत्तीसगढ़ निदेशालय के कैडेट को मिला सम्मान

अलंकरण समारोह में रक्षा मंत्री ने उत्कृष्ट प्रदर्शन और कर्तव्य के प्रति समर्पण के लिए कैडेटों को सम्मानित भी किया। इस साल रक्षा मंत्री पदक केरल और लक्षद्वीप निदेशालय के अंडर ऑफिसर थेजा वीपी और उत्तर पूर्वी निदेशालय के सीनियर अंडर ऑफिसर आर्यमित्र नाथ को प्रदान किया गया। जबकि प्रशस्ति पत्र आंध्र प्रदेश और तेलंगाना निदेशालय की कैडेट डोंटारा ग्रीष्मा, जम्मू कश्मीर और लद्दाख निदेशालय की जूनियर अंडर ऑफिसर आबिदा आफरीन, महाराष्ट्र निदेशालय के सार्जेंट मनन शर्मा और मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ निदेशालय के सार्जेंट राहुल बघेल को प्रदान किए गए।

संदीप उन्नीकृष्णन की दी मिसाल

राजनाथ सिंह ने कैडेटों को नेतृत्व के असल मायने समझाते हुए 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों के दौरान मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के वीरतापूर्ण बलिदान का हवाला देते हुए कहा कि यह आज भी देश को प्रेरित करता है। मेजर उन्नीकृष्णन के अपनी टीम से कहे गए शब्द इधर मत आना, मैं उनसे निपट लूंगा न केवल उनके एक विजेता के लक्षण और परोपकारी स्वभाव का प्रमाण थे। बल्कि आगे बढ़कर नेतृत्व करने की उनकी क्षमता को भी प्रमाणित करते थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि ऐसे असाधारण क्षण ही एक साधारण व्यक्ति को श्रेष्ठ बनाते हैं। एनसीसी इन गुणों का उपयोग करती है।

बदलते समयानुसार खुद को ढालें

उन्होंने एनसीसी कैडेटों से कहा कि वे कभी भी सीखना बंद न करें। क्योंकि परिस्थितियां बदलती रहती हैं। जिसमें हर बार नए दृष्टिकोण और नए कौशल की आवश्यकता होती है। साथ ही ये इसलिए भी जरूरी है क्योंकि नई समस्याओं को पुराने दृष्टिकोण या कौशल के साथ हल नहीं किया जा सकता। भावी जरूरतों के मद्देनजर कौशल विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। रक्षा मंत्री ने कैडेटों से हर चुनौती का आत्मविश्वास के साथ और असफलता के डर के बिना सामना करने का आग्रह करते हुए कहा कि कभी हार न मानने का उत्साह ही सफलता की कुंजी है।

औपनिवेशिक काल में ब्रिटिश अमीरों की चांदी

ऑक्सफैम की रिपोर्ट में भारत को लेकर दावा, ब्रिटेन के 10 प्रतिशत लोगों ने भारत से 33.8 ट्रिलियन डॉलर की संपत्ति लूटी

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

ब्रिटेन ने 1765 से 1900 के बीच उपनिवेशवाद के दौरान भारत से 64.82 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर निकाले, जिनमें से 33.8 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर सबसे अमीर 10 प्रतिशत के पास गए – यह इतनी राशि थी कि लंदन में 50 ब्रिटिश पाउंड के नोटों के रूप में लगभग चार बार बिक सकते थे। यह रिपोर्ट अधिकार समूह ऑक्सफैम इंटरनेशनल की नवीनतम प्रमुख वैश्विक असमानता रिपोर्ट का हिस्सा है, जो हर साल विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के पहले दिन जारी की जाती है। रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन में आज सबसे अमीर लोगों की एक बड़ी संख्या अपने परिवार की संपत्ति का श्रेय गुलामी और उपनिवेशवाद को देती है, विशेष रूप से गुलामी समाप्त होने पर उनके मालिकों को दिए गए मुआवजे से उन्हें बड़ी आय हुई थी। आधुनिक बहुराष्ट्रीय निगम उपनिवेशवाद की देन है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट में कहा गया है कि ईस्ट इंडिया कंपनी जैसी कंपनियों ने इसकी शुरुआत की थी, जो खुद ही कानून बन गई और कई औपनिवेशिक अपराधों के लिए जिम्मेदार थी।

अरबपतियों की संपत्ति में 2 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि हुई

2024 में वैश्विक स्तर पर कुल अरबपतियों की संपत्ति में 2 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि हुई, जिसमें 204 नए अरबपति बने। यह प्रति सप्ताह लगभग चार नए अरबपतियों का औसत है। कुल अरबपतियों की संपत्ति 2023 की तुलना में 2024 में तीन गुना तेजी से बढ़ी। प्रत्येक अरबपति की संपत्ति में औसतन प्रतिदिन 2 मिलियन डॉलर की वृद्धि हुई। रिपोर्ट में बताया गया है कि सबसे अमीर 10 अरबपतियों की संपत्ति में औसतन प्रतिदिन 100 मिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि हुई है। पिछले साल ऑक्सफैम ने एक दशक के भीतर एक ट्रिलियनेयर के होने का अनुमान लगाया था। अगर मौजूदा रुझान जारी रहा, तो एक दशक के भीतर पांच ट्रिलियनेयर होंगे।

रिपोर्ट के निष्कर्षों से पता चला

रिपोर्ट में कहा गया है कि 1750 में, भारतीय उपमहाद्वीप में वैश्विक औद्योगिक उत्पादन का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा था। हालांकि, 1900 तक यह आंकड़ा तेजी से घटकर मात्र 2 प्रतिशत रह गया था। रिपोर्ट के निष्कर्षों से पता चलता है कि इस नाटकीय कमी का श्रेय ब्रिटेन द्वारा एशियाई वस्त्रों के खिलाफ सख्त संरक्षणवादी नीतियों के कार्यान्वयन को दिया जा सकता है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

18 कंपनियों के लिए 2,299 करोड़ रुपए का निवेश प्रस्ताव

वोल्टास, ल्यूमैक्स और यूएनओ मिंडा समेत 18 कंपनियां को पीएलआई योजना के लिए चुना गया

मुंबई हलचल / नई दिल्ली

वोल्टास, एमआईआरसी इलेक्ट्रॉनिक्स, ल्यूमैक्स और यूएनओ मिंडा समेत 18 कंपनियों को 2,299 करोड़ रुपये के प्रतिबद्ध निवेश के साथ एसी तथा एलईडी लाइट के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत लाभ उठाने के लिए चुना गया है।

गत वर्ष अक्टूबर में तीसरे दौर में 38 कंपनियों ने इस योजना के तहत 4,121 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के साथ आवेदन दाखिल किए थे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा, पीएलआई योजना के ऑनलाइन आवेदन के तीसरे चरण के लिए कुल 38 आवेदन मिले। इन आवेदनों पर विचार करने के बाद सरकार ने अस्थायी रूप से 18 नई कंपनियों का चयन किया है।

10 विनिर्माता एसी के कलपुर्जे बनाएंगे

इन कंपनियों में एयर कंडीशनर के कलपुर्जों के 10 विनिर्माता और एलईडी लाइट के आठ विनिर्माता शामिल हैं। इसके लिए 2,299 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जतायी गई है। इसके अलावा, छह मौजूदा पीएलआई लाभार्थियों को उच्च निवेश श्रेणियों में 'अपग्रेड' करने के लिए अस्थायी रूप से चुना गया है। इसके लिए 1,217 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश होगा।

84 कंपनियां निवेश लाने वाली है

बयान के अनुसार, " कुल मिलाकर इन वस्तुओं के लिए पीएलआई योजना के तहत 84 कंपनियां 10,478 करोड़ रुपये का निवेश लाने वाली हैं, जिसके परिणामस्वरूप 1,72,663 करोड़ रुपये मूल्य का उत्पादन होगा। मंत्रालय के अनुसार, वोल्टास कंपोनेंट्स ने कंप्रेसर बनाने के लिए 256.73 करोड़ रुपये निवेश करने की प्रतिबद्धता जतायी है।

- गत वर्ष अक्टूबर में तीसरे दौर में 38 कंपनियों ने किया था आवेदन
- योजना के तहत 84 कंपनियां 10,478 करोड़ रुपए का निवेश लाने वाली हैं
- वोल्टास कंपोनेंट्स कंप्रेसर बनाने के लिए 256 .73 करोड़ रुपए निवेश करेगा

एमआईआरसी ने एक्सचेंजर्स बनाने का दिया प्रस्ताव: एमआईआरसी इलेक्ट्रॉनिक्स ने 51.5 करोड़ रुपये के निवेश के साथ मोटर और हीट एक्सचेंजर्स एसी उत्पाद बनाने का प्रस्ताव दिया है।"

एसी के कलपुर्जों का देश में होगा निर्माण इसमें कहा गया, एयर कंडीशनर के लिए कंपनियां कम्प्रेसर, कॉपर ट्यूब और हीट एक्सचेंजर जैसे कलपुर्जों का विनिर्माण करेंगी। इसी तरह, एलईडी लाइट के लिए एलईडी चिप पैकेजिंग, ड्राइवर, इंजन, लाइट मैनेजमेंट सिस्टम तथा कैपेसिटर के लिए मेटलाइज्ड फिल्म का विनिर्माण भारत में किया जाएगा।

केवल एक ने योजना से बाहर निकलने का लिया निर्णय

आवेदकों में से एक ने योजना से बाहर निकलने का निर्णय लिया है तथा उसने आवेदन वापस ले लिया है। छह मौजूदा पीएलआई लाभार्थियों को उच्च निवेश श्रेणियों में 'अपग्रेड' करने के लिए अस्थायी रूप से चुना गया है। इनमें हिंडाल्को इंडस्ट्रीज (360 करोड़ रुपये का अतिरिक्त प्रतिबद्ध निवेश), एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया (433 करोड़ रुपये), ब्लू स्टार क्लाइमेटेक (180 करोड़ रुपये) और वोल्टास लिमिटेड (200 करोड़ रुपये) शामिल हैं।

मधुमिता के हत्यारे की सजा माफ न करे सरकार, बहन ने लगाई गुहार

लखनऊ। यूपी के चर्चित मधुमिता शुक्ला हत्याकांड के शूटर रोहित चतुर्वेदी की सजा माफी का विरोध शुरू हो गया है। शूटर रोहित उत्तराखंड के हरिद्वार की रोशनाबाद जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है। शूटर रोहित ने सजा माफी के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने सजा माफी के निर्णय के लिए राज्य स्तरीय समिति को अधिकृत किया है। मधुमिता की बहन निधि शुक्ला ने सरकार से अपील की है कि रोहित चतुर्वेदी की सजा माफ नहीं होनी चाहिए। निधि ने इस संबंध में सरकार को पत्र लिखा है। निधि शुक्ला ने रविवार को देहरादून पहुंचकर उत्तरांचल प्रेस क्लब में प्रेसवार्ता की। निधि ने कहा कि रोहित चतुर्वेदी ने यूपी सरकार के मंत्री रहे अमरमणि त्रिपाठी के कहने पर उनकी बहन मधुमिता की निर्मम हत्या की थी। वह इस वक्त रोशनाबाद जेल में उम्र

कैद की सजा काट रहा है। रोहित से उन्हें जान का खतरा है। इस मामले में दोषी पाए गए अमरमणि त्रिपाठी और उसकी पत्नी मधुमणि त्रिपाठी को साल 2023 में गोरखपुर जेल से सजा माफी के बाद रिहाई मिल चुकी है। निधि शुक्ला के मुताबिक इसका भी उन्होंने विरोध किया। अब रोहित चतुर्वेदी ने अपनी सजा माफी के लिए सुप्रीम कोर्ट में अर्जी लगाई थी। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को राज्य स्तरीय समिति बनाकर इस पर विचार करने के आदेश दिए हैं। सजा माफ होगी या नहीं इसका फैसला यही समिति करेगी। आरोप लगाया कि शूटर अपने गुर्गों के जरिए उनपर लगातार हमले करवा रहा है। शूटर रोहित की सजा माफी के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन हुआ है। समिति के अध्यक्ष उत्तराखंड के प्रमुख सचिव कारागार, सचिव महानिरीक्षक कारागार, सदस्य प्रमुख सचिव न्याय एवं विधि, अपर सचिव गृह और प्रमुख सचिव गृह शामिल हैं। इस समिति को 24 जनवरी तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी है। रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट रोहित की सजा पर फैसला लेगा। लखनऊ के शुगर मिल कॉलोनी स्थित घर पर नौ मई 2003 को दो बदमाशों ने गोली मारकर कवियित्री मधुमिता शुक्ला की हत्या कर दी थी। तब इस मामले में यूपी पुलिस ने जांच में ढिलाई बरती तो तत्कालीन केंद्र सरकार के आदेश से मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई थी।

पत्नी ने पति के प्राइवेट पार्ट की नस काटी, नकदी-जेवर लूटकर फरार

बरेली। घरेलू विवाद के बाद एक महिला ने अपने पति को नशीला पदार्थ खिलाकर बेहोश कर दिया और उसके गुप्तांग की नस काट दी। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी पत्नी घर में रखी नकदी और जेवर लेकर फरार हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामला सीबीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां के रहने वाले युवक की शादी ढाई साल पहले भोजीपुरा थाना क्षेत्र की एक युवती से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही दोनों के बीच विवाद होने लगे। पत्नी के कहने पर युवक अपने परिवार से अलग रहने लगा था। 28 दिसंबर की शाम दोनों के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई। आरोप है कि इसके बाद पत्नी ने खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया और पति को खिला दिया। जब वह बेहोश हो गया, तो आरोपी महिला ने ब्लेड से उसके गुप्तांग की नस काटने की कोशिश की। हमले के बाद महिला घर में रखे जेवर और नकदी लेकर फरार हो गई। होश में आने पर युवक ने किसी तरह अपने परिजनों को सूचना दी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। पीड़ित युवक के पिता ने रविवार को सीबीगंज थाने में तहरीर दी। थाना प्रभारी सुरेश चंद्र गौतम ने बताया कि युवक का मेडिकल परीक्षण कराया गया है, जिसमें गुप्तांग सही पाया गया। हालांकि, मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेषज्ञ सर्जन से दोबारा जांच कराई जाएगी। पुलिस आरोपी महिला की तलाश में जुटी है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

वजन घटाने के लिए रोजना 10 मिनट करें ये 6 योगासन

आजकल 5 में से 3 लोग मोटापे की समस्या से परेशान हैं। शरीर का वजन बढ़ने से कई सारी बीमारियां लग जाती है। हैल्दी रहने और खुद को फिट दिखाने के लिए लोग कई तरह के तरीके अपनाते हैं। मगर उसे भी ज्यादा फायदा नहीं होता। कुछ लोग तो वजन कम करने के लिए दवाइयों का सहारा भी लेते है जो सेहत के लिए नुकसानदायक होता है। ऐसे में रोज केवल 10 मिनट इन 6 योग आसनों को करके मोटापे की समस्या से निजात पा सकते हैं। तो आइए वह कौन से आसन है जो वजन को कम करता है।

1. भुजंगासन
पेट की चर्बी को कम करने के लिए भुजंगासन बहुत फायदेमंद है। इस आसन को करने से वजन बहुत जल्दी वजन घटने लगता है। भुजंगासन को करने के लिए पेट के बल लेट जाएं। अब अपने दोनों हाथों को माथे के नीचे टिकाए। दोनों पैरों के पंजों के साथ रखें। फिर अपने माथे को ऊपर ऊठाएं और दोनों बाजुओं को कंधों के समान लाएं। ऐसा करने पर शरीर का सारा भार बाजुओं पर पड़ेगा। अब शरीर के अगले भाग को बाजुओं के सहारे ऊपर उठाएं। शरीर को स्ट्रेच करके लंबी सांस लें। कुछ समय तक इस आसन को करें। फिर दोबारा पेट के बल लेट जाएं।

2. हस्तपादासन
हस्तपादासन करने के लिए पैरों को साथ में जोड़े हुए सीधे खड़े हो जाएं। हाथों को शरीर के साथ लगाएं। शरीर के वजन को दोनों पैरों पर सामान रूप से डालें। फिर सांस को बाहर छोड़ते हुए कमर के ऊपरी भाग को धीरे-धीरे सामने की ओर झुकाएं। घुटनों को बिल्कुल सीधा रखें। सांस छोड़ते समय छाती को घुटनों की तरफ ले जाएं। शुरूआत में इस स्थिति में 10 सेकंड तक रहें और फिर सामान्य स्थिति में आकर 5 सेकेण्ड आराम करें और इस आसन को कम से कम 5-6 बार करें।

3. बालासन
मन को शांत करना हो या पेट की चर्बी को कम करना हो दोनों के लिए बालासन बहुत फायदेमंद है। इस आसन को करने के लिए घुटनों के बल बैठ जाएं और कमर बिल्कुल सीधी रखें। अब गहरी सांस लेते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को सामने की ओर झुकाएं। दोनों हाथ पीछे की ओर रखें और कोशिश करें कि सिर सामने जमीन को छुए। अब जितना हो सके उतनी देर इसी अवस्था में रहने की कोशिश करें। फिर सांस छोड़ते हुए शरीर के ऊपरी भाग को उठाते हुए फिर से वज्रासन की मुद्रा में आ जाएं।

4. पश्चिमोत्तानासन
पश्चिमोत्तानासन करने से भी शरीर का वजन बहुत जल्दी कम होता है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले आप जमीन पर बैठ जाएं। अब आप दोनों पैरों को सामने फैलाएं। पीठ की पेशियों को ढीला छोड़ दें। सांस लेते हुए अपने हाथों को ऊपर लेकर जाएं। फिर सांस छोड़ते हुए आगे की ओर झुके। आप कोशिश करते हैं अपने हाथ से उंगलियों को पकड़ने का और नाक को घुटने से लगाने का। धीरे धीरे सांस लें, फिर धीरे धीरे सांस छोड़े। इस तरह से आप 3 से 5 चक्र करें।

5. उष्ट्रासन या ऊंट पोज
इस आसन को करने से भी बहुत जल्दी पेट की चर्बी कम होती है। इस आसन मे अपने शरीर को ऊंट की तरह आकार देना होता है। इसको करने के लिए घुटनों के बल खड़े हो जाएं। घुटनों के कमर तक का भाग सीधा रखें और पीठ को पीछे की ओर मोड़कर हाथों को से पैरों की एड़ियों को पकड़ लें। फिर सिर को पीछे की ओर झुका दें। कुछ सेकंड ऐसा रहें। फिर सामान स्थिति में आ जाएं।

6. पद्मासन
पद्मासन करने में जीतना ही आसान होता है। इसके फायदे उतने ही होते है। इस आसन को करने के लिए जमीन पर बैठकर पैरों को इस तरह आपस में जोड़े की ये नाभि के पास आ जाएं। अब कमर को सीधी करें। मगर ध्यान रहे की दोनों घुटने जमीन से उठने न पाएं। दोनों हाथों की हथेलियों को गोद में रखें।

बढ़ता हुआ मोटापा करना है तेजी से कम तो रोजाना 1 कप पीएं यह चाय

बढ़ा हुआ वजन न सिर्फ पर्सनैलिटी को खराब करता है, बल्कि इससे डायबिटीज, कैंसर और हार्ट डिसीज का खतरा भी बढ़ जाता है। बढ़े हुए वजन को कम करने के साथ-साथ उसे कंट्रोल में रखना भी बहुत जरूरी हैं। ऐसे में आज हम आपको ऊलौंग चाय (Oolong Tea) के बारे में बताएंगे, जिससे आपका वजन तेजी से कम होगा। इतना ही नहीं, पॉलिफिनॉल और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर रोजाना 1 कप इस चाय का सेवन आपको कई गंभीर बीमारियों से भी दूर रखेगा।

1. वजन घटाने में मददगार
एक शोध के अनुसार, लगातार 6 हफ्ते तक एक कप ऊलौंग चाय पीने से आपका 8 किलो वजन कम हो जाता है। इस चाय का सेवन कोलेस्ट्रोल को कम करने के साथ-साथ फैट को बर्न करती है।

2. मेटाबॉलिज्म को देता है बढ़ावा
डाइट कंट्रोल और रेग्युलर एक्सरसाइज के बावजूद भी कुछ लोगों का वजन कम नहीं होता है या बहुत धीरे-धीरे कम होता है। दरअसल, यह सब मेटाबॉलिज्म के कारण होता है। मगर इस चाय में पॉलीफिनॉल कंपाउंड होता है, जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ाकर चर्बी को कम करके वजन घटाने में मदद करता है।

3. डायटरी फैट को करती है रिड्यूस
यह चाय सिर्फ फैट ही बर्न नहीं करती बल्कि इसका सेवन वसा को अशोषित करने में भी मदद करता है, जिससे आपका वजन तेजी से कम होता है। एक शोध में भी पाया गया है कि इस चाय का सेवन आपकी हाई फैट डाइट में से वसा को अशोषित करके वजन को घटाती है।

ये 2 असरदार घरेलू नुस्खे, एक दिन में दूर करेंगे पैरों की ट्रैनिंग!

गर्मियों के मौसम में स्किन का काला पड़ना यानी की टैनिंग होना एक आम बात है। टैनिंग सिर्फ चेहरे, गर्दन या फिर आर्म्स पर ही नहीं होती। तेज धूप का असर पैरों पर भी पड़ता है। इससे पैरों कि स्किन डैड होने लगती है, जिससे यह काले दिखाई देने लगते हैं। इसकी वजह से हम अपनी पसंद के हिसाब से सैंडल या फिर फुटवियर भी नहीं पहन पाते। पेडिक्योर करने से पैरों की रंगत दुबारा वापिस पाई जा सकती है, मगर इतना समय और पैसा किसी के पास कहा कि बार-बार पार्लर जाकर टैनिंग रिमूव करवाई जाए। ऐसे में आप कुछ घरेलू नुस्खों को अपनाकर भी पैरों को खुबसूरत बना सकते हैं।

1. संतरे का छिलका और दूध
संतरे में नेचुलर ब्लीचिंग गुण होते हैं जो पैरों के दाग-धब्बे मिटाने का काम करते हैं। वहीं दूध में लेक्टिक एसिड होता है जिससे डैड स्किन निकल जाती है। ऐसे में इन दोनों का पेस्ट बनाकर लगाने से पैरों की रूखी त्वचा भी मुलायम बन जाएगी।

इस तरह बनाएं पैक
सबसे पहले संतरे के छिलकों को धूप में अच्छे से सूखा लें। फिर इसको मिक्सी में पीस कर पाउडर बना लें। अब इसमें 4 से 5 चम्मच दूध के मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब पेस्ट को पैरों पर लगा कर हल्के हाथों से मसाज करें और 20 से 25 मिनट के बाद गर्म पानी से धो लें।

2. नींबू और शहद
नींबू में नेचुरल ब्लीचिंग गुण पाए जाते हैं। वहीं शहद पैरों को नर्म बनाने का काम करता है। दोनों को साथ में लगाने से पैरों की टैनिंग दूर होने के साथ ही वह नर्म भी बने रहेंगे।

इस तरह बनाएं पैक
1 चम्मच नींबू के रस में 1 चम्मच शहद मिलाकर मिक्स करें। आप चाहें तो इसमें थोड़ा सा मिल्क पाउडर भी मिक्स कर सकते हैं। अब इस पेस्ट को 20 मिनट तक पैरों में लगाने के बाद गर्म पानी से धो लें। इसके साथ घर से बाहर निकलते वक्त सनस्क्रीन जरूर लगा लें।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'कंतारा 2' पर आई नई मुश्किल

एक्टर ऋषभ शेट्टी की फिल्म कंतारा मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। अभिनेता इस वक्त अपनी अगामी फिल्म कंतारा: अध्याय 1 की शूटिंग कर्नाटक के गविगुड्डा के वन क्षेत्र में कर रहे हैं। लेकिन अब टीम नई मुसीबत में फंस आ गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक के स्थानीय लोगों ने टीम पर जंगलों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि पूर्व जिला पंचायत सदस्य सन्ना स्वामी ने आरोप लगाया है कि फिल्मांकन की प्रक्रिया से पशु-पक्षियों को नुकसान पहुंचा है। उन्होंने आगे कहा, कि किसान पहले से ही जंगली हाथियों के हमलों से जूझ रहे हैं। वनों की सुरक्षा के लिए सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बावजूद अधिकारी लापरवाह रहे हैं। आगे और नुकसान को रोकने के लिए तत्काल कार्रवाई की जानी चाहिए। इसके अलावा, सेट पर तनाव तब बढ़ गया जब कुछ स्थानीय लोगों ने मौके पर शूटिंग कर रहे फिल्म के क्रू से भिड़ंत कर दी। इसके कारण विवाद हुआ जिसमें इलाके का एक युवक घायल हो गया। इसके बाद उसे सकलेशपुर के क्रॉफर्ड अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिपोर्ट के अनुसार, येसलूर पुलिस स्टेशन में मामला भी दर्ज किया गया है। हालांकि, निर्माताओं और ऋषभ दोनों ने अभी तक आरोपों पर आधिकारिक रूप से कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। कंतारा, जिसे ऋषभ ने निर्देशित और अभिनीत किया था, में उन्हें शिव और उनके पिता, एक दैव कोला कलाकार के रूप में दोहरी भूमिका में देखा गया था। निर्माताओं ने पिछले साल नवंबर में प्रीक्वल की रिलीज की तारीख की घोषणा की थी। कंतारा: चैप्टर 1 दुनिया भर में 2 अक्टूबर, 2025 को रिलीज होगी।

मीडिया पर भड़की करीना

सोशल मीडिया पर लगातार जेह और तैमूर से जुड़ी पोस्ट को देखकर करीना कपूर का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुंच गया। करीना कपूर के पति सैफ अली खान घायल अवस्था में अस्पताल में पड़े हैं और सोशल मीडिया पर उनके परिवार को लेकर वीडियो वायरल किया जा रहे हैं। इसी बात को लेकर वह सोशल मीडिया पर इस तरह की पोस्ट डालने वालों पर भड़क उठी थी और उन्होंने इंस्टा स्टोरी पर एक वीडियो को री पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा कि अब बंद कर दो यह सब, हम भी शांति से जीना चाहते हैं। इंस्टाग्राम स्टोरी पर री पोस्ट किए गए वीडियो पर जो कैप्शन करीना कपूर ने लिखा था, उससे उनका गुस्सा साफ जाहिर हो रहा था कि मीडिया और सोशल मीडिया पर लोग उनकी निजता का उल्लंघन कर रहे हैं। लेकिन कुछ ही देर बाद करीना कपूर ने अपना वह पोस्ट डिलीट कर दिया है। लेकिन डिलीट होने से पहले लोगों ने उसका स्क्रीनशॉट ले लिया है और अब इस सोशल मीडिया पर पोस्ट करके करीना का समर्थन में नजर आ रहे हैं। यूजर्स का यह मानना है कि सोशल मीडिया पर किसी की जिंदगी मैं इस तरह से दखलंदाजी नहीं करनी चाहिए कि वह परेशान हो जाए और खासकर तब जब वह मुश्किल दौर से गुजर रहा हो। करीना कपूर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर री पोस्ट किए गए वीडियो में कैप्शन में लिखा था, अब यह सब बंद करो भगवान के लिए हमें अकेला छोड़ दो।

मनगढ़ंत आर्टिकल को देख भड़कीं तब्बू

बॉलीवुड एक्ट्रेस तब्बू बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। एक्ट्रेस ने कई सुपरहिट फिल्में दी हैं और फैंस भी उनकी शानदार अभिनय को खूब पसंद करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में आ जाती हैं। इन सबके बीच उन्हें बार-बार एक ही सवाल का सामना करना पड़ता है, कि तब्बू शादी कब करेंगी। ऐसे में अब उन्होंने इसी से जुड़ी एक बात पर मीडिया की जमकर फटकार लगाई है। दरअसल, हाल ही में छपी एक खबर में कहा गया था कि एक्ट्रेस को शादी में कोई दिलचस्पी नहीं है। लेकिन उनकी टीम का कहना है कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया और उनकी बात का गलत मतलब निकाला गया।

वहीं अब अभिनेत्री की टीम ने ऐसी गैर जिम्मेदारी पत्रकारिता पर तीखा सवाल उठाया है। उनकी टीम की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि ऐसी कई वेबसाइट और सोशल मीडिया हैंडल हैं, जिनमें तब्बू के नाम पर गलत बयानबाजी की गई है। लेकिन हम सभी को यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि उन्होंने कभी भी ये बातें नहीं कही हैं और दर्शकों को गुमराह करना नैतिकता का गंभीर उल्लंघन है। साथ ही तब्बू की टीम उन लोगों से भी माफी की मांग की है, जिन्होंने एक्ट्रेस के नाम पर गलत तरीके से कुछ अशोभनीय बयान दिए हैं। टीम ने अपने बयान में आगे कहा कि, हम चाहते हैं कि ये वेबसाइटें अपने मनगढ़ंत उद्धरण तुरंत हटा दें और अपने कार्यों के लिए औपचारिक माफी मांगें।